प्रवेश सं० विषयः वेद क्रम सं० ३२०

नाम श्रौतोपयोगीलक्षणविचार: ग्रन्थकार माणिराम दीक्षित:

पत्र सं० १–१३

श्लोक सं० अक्षर सं० (पंक्तौ) ३४ पंक्ति सं० (पृष्ठे) ११

आकार: १०.५ × ५.६. लिपि: दे.ना. आधार: का.

वि० विवरण

सं. १८३४

आ. ७०४१८

034272

Indira Gandhi National
Centre for the Arts

श्रीगोप.योगी:कष्टकाविचार: पत्राणि ६३

वेद ॐ

श्री हरिकल्पस्य पत्राणि ५
श्री हृगोपनाथकवालख्य
... ॥

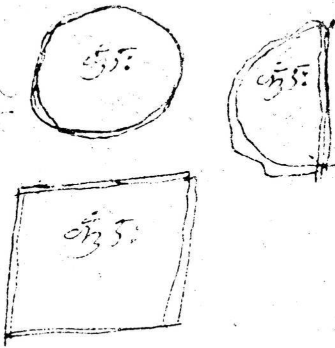

अभ्याणाविद्यया [illegible]
रणाप्पाखाने [illegible]

॥ ॥ [illegible] नमः [illegible] सिद्धिविनायकाय ॥ एषं ग्रंथानां [illegible] विवरणं ॥ अल्पग्रंथे सुखा
वबोधार्थमारभ्यते । उपनिषदि [illegible] संदेहः [illegible] विचारणा [illegible] प्रसादना [illegible] स्वरूपमावहते ॥ वि
[illegible] ॥ तदर्थ्यति ग्रंथोऽणु [illegible] ॥ येऽस्यामात्मविद्यायां तात्पर्येण [illegible]
[illegible] आत्मविद्या [illegible] संसार [illegible] प्रसादयति विनाश [illegible] आत्मानं निगमयत्व
सावर्हति आत्मविद्या [illegible] विद्यादि [illegible] तदु[illegible]कारकत्वान्त्राणादिविधानामु
[illegible] ॥ गर्भजन्म [illegible] रागादीच्छा [illegible] विख्यासित ॥ तस्यास्य धर्मकोऽनेन संबंधः [illegible]
[illegible] ॥ सोयमात्मविद्या [illegible] ॥ सर्वे [illegible] प्रत्यक्षानुमानाभ्यामनवगतेष्टानिष्ट
[illegible] ग्रंथः तस्यास्य [illegible] संबंधो [illegible] परिहार [illegible] दृष्टविषयत्वात् [illegible] विषय
[illegible] परिहारोपाय [illegible] सर्वपुरुषाणां [illegible] ॥ न चासति जन्मांतर संबंधात्म
[illegible] निष्टप्राप्ति परिहारोपायज्ञानस्य प्रत्यक्षानुमानाभ्यामेव सिद्धत्वात् [illegible] ॥ [illegible] जन्मांत
[illegible] विज्ञान [illegible] निष्टप्राप्ति परिहार [illegible] दर्शनात्तस्माज्जन्मांतरसंबंधात्म ॥ [illegible] विवेक [illegible]
[illegible] निष्टप्राप्ति परिहारोपाय [illegible] वर्तते ॥ [illegible] मनुष्य [illegible]

[illegible] नाद्यथायमर [illegible] तिम [illegible]
[illegible] विद्याकर्मणी समन्वार [illegible]
[illegible] अनुसंध [illegible] विज्ञानमय [illegible] निरिक्त [illegible] विषय [illegible]
[illegible] पुण्येन कर्मणा भवति [illegible] विज्ञानमय [illegible] संबंधिनस्त्वात्मनः प्रत्यक्षेण [illegible] विज्ञाने [illegible]
[illegible] वादिविप्रति [illegible] संबंधिनस्त्वात्मनः [illegible] प्रत्यक्ष विषय [illegible] इति ॥ [illegible]
[illegible] विदंतो [illegible] प्रत्यक्ष विषय [illegible] विप्रा [illegible] निर्जयति [illegible]
[illegible] निरूपितस्य [illegible] निरूपितस्मात् [illegible] विषय [illegible]
[illegible] विज्ञानतो [illegible] जन्मा
[illegible] आत्मा [illegible] लिंग [illegible]
[illegible] संबंध [illegible] वरात [illegible] लिंग [illegible] सर्वथा
[illegible] आत्म [illegible] लिंग [illegible] सर्वथा
[illegible] आत्मा [illegible] संबंधा [illegible] प्राप्ति परिहारोपाय [illegible]

२॥

यत्[illegible] शारद्[illegible]वा[illegible]प्रादि[illegible] [illegible] विलयमस्य [illegible] कर्मो [illegible]
प्रति[illegible] [illegible] विद्ये [illegible]त्वे मादि [illegible] [illegible] तत्रापत्त [illegible] [illegible]
[illegible] प्रतिषिद्धानि [illegible] यदि [illegible] मान [illegible] [illegible] द्वैताद्ध
[illegible] [illegible] [illegible]वस्था [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] निश्चय [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] विनोति
दर्शनादि [illegible] कदाचित् [illegible] संस्कार [illegible] [illegible] सर्वकर्मता दि बलात्
[illegible] ज्ञानत्वेन [illegible] केवलो [illegible] [illegible] फलं [illegible] सर्वकर्म वैदिकानि
कादिष्वासि फलानि [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] दितो हदतो धर्मा
[illegible] सा [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] पंजगाम्या युत्प[illegible]
धर्माधर्म[illegible] [illegible] [illegible] तेसाध्यसाधन[illegible] [illegible] [illegible] लक्षणानादि २॥
कृतयासीस एव बीजांकुरादिवद् विद्याकृतः संसारश्चानादि क्रियाकारकफलाध्यारोपलक्षणानादि

रनंतो नर्थ[illegible] तस्माद्विरक्तस्य विद्यानिवृत्तये [illegible]रीत ब्रह्मविद्या प्रतिपत्त्यर्थोपनिषदारभ्यते। यदि ब्रह्म वि
[illegible] [illegible] [illegible]विषयविज्ञान[illegible] [illegible] एवा[illegible] [illegible] दिति न
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] कारणं। तथा
[illegible] प्रयोजनं [illegible] श्रुतिः [illegible] सर्वकर्मसंदोह लक्षणं [illegible] [illegible] ज्ञानसंयुक्तस्य [illegible]
[illegible] एवेव [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] लं संसार एवात्मनापि
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ज्ञानादेव केवलात्सं
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] कर्मणो [illegible] संसार [illegible] [illegible] [illegible] नापि पासा
होला सार [illegible] प्रयोजनं। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] यन्नेव पुनर्जो
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] लोकादुक्रम्या मुष्मिन्
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] त्मज्ञानमेत
[illegible] लोके [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

तस्मादेतत्

Indira Gandhi National Centre for the Arts

देवकर्मकर्तृविद्यास्सर्वे [illegible] दानतपोभिः पुण्यैः कर्मभिः परममतिशयमेवात्मज्ञानमुत्पादयन्ति [illegible] तद्विपर्ययात्
नामिनां [illegible] मनायना [illegible] विद्यत [illegible] निमंत्रयन्ति ॥ तद्यथा सर्वविद्यानां प्राप्तेः [illegible] तद्
[illegible] फलत्वात् [illegible] परमार्थसिद्धान्तविषये [illegible] मात्र विकार [illegible] विषयाणि [illegible]
तस्मादस्मादात्मज्ञानमार्गान्निवर्तमाधम [illegible] प्रमादानक [illegible] प्रमादं [illegible] करणमित्य [illegible] किंस्यादि
[illegible] ॥ तं पंथानमतीयाद् [illegible] इति समनं [illegible] यदि [illegible] अतिक्रान्त [illegible]
[illegible] ॥ येऽस्मान्मार्गात् [illegible] कर्मसु
[illegible] ॥ न हि [illegible] पंथानं [illegible] अनुष्ठानम् [illegible]
[illegible] ब्राह्मणो [illegible] पंथानमतिक्रान्ता [illegible]
कर्म [illegible] आत्मज्ञान [illegible] ममर्थ [illegible] इति [illegible]
[illegible] कर्मिणो [illegible] किमित्याह [illegible] अतिगम

[illegible] इत्यर्थः ॥ याः पुनरन्याः [illegible] कर्म [illegible]
[illegible] विक्षिप्त [illegible] मग्निमाश्रिता इत्यर्थः ॥ [illegible]
[illegible] लोकान् [illegible] सर्वलोक [illegible]
[illegible] इत्यर्थः [illegible] विष्टाः [illegible]
[illegible] पुनः [illegible] इति मंत्रोक्तमर्थं ब्राह्मणम् [illegible]
[illegible] तिवाक्यशेषः ॥ नातीमानि [illegible]
[illegible] कर्मणा [illegible] त्तानि [illegible]
[illegible] ग्रामस्य [illegible]
[illegible] वरा [illegible] दिव्या [illegible]
[illegible] आत्मानं [illegible]

६॥

आह [illegible] नुवर्त्यार्थः॥ एवं स्थावरास्थेकोराग्निरित्यर्थः इत्यादा उरःपादाई कारस्यो [illegible] द्दमाघद्ध विसर्जनीयो
परजं [illegible] कचारःपादाई निसर्यां [illegible] घ्द्वचेने॥ एनमेतास्मिस्त्यः अजाश्रुत्यायमायुः कर्मज्ञानमार्गान्नु परिस्त्वद्याद्
त्यर्थ॥ प्रतद्युरश्वास्मानां नहुर्त [illegible] र्षं जुयुष्मत्तश्रेयसो मार्गाद्धि अमाद्ये द्विनिवे [illegible] एहतोरदं
[illegible] त्याश्र्व [illegible] निलिविनिर [illegible] विद्या [illegible] निरूपत्यान॥ अर्कमिति
ममवा गिर्यं कमपराश्रुवतिष्टद्द्व तस्के सुवने चतरित्यद्व उत्थवश्रु सामेवेत्रा [illegible] रसावा लिव्येन
नस्त्सक्षोमहामाद्दवे द्विघमिदंम विवुध्यारव्यातमन्यत्यवमानो हर [illegible] वन्नीतवायुरेवेपवमानो दिशो
हरितः आदित्य इत्यर्थः सुर्वणएवोक्ते। अत्रातंतरातिक्रान्तेग्रंथे महाव्रताख्यं कर्माक्षिप्तं यस्मिन्महदुक्थाख्यं
नास्तूंदृद्दमी [illegible] णान्नास्यततक्त पंक्ति [illegible] ह्वितमुक्थमुक्तनामानेकलोकका [illegible] वादिलेद विशिष्टश
लविज्ञाननसमुच्चिचाधित मितिसत्र पंचप्राणानिर्दिधाराघप्रपेदमाद्द उक्थमुक्थमित्याद्यनिधारिताथयाय
त्यमिदंपदं [illegible] दपराःप्रजावदंति किंतदुक्थमितिप्राद्द मात्रमवक्वलेनवस्यार्थः केवलेयातिवैरवन
नरत्यर्थः॥ [illegible] प्रसिद्ध [illegible] नोनिपातीय [illegible] स्यार्थस्त मिदम [illegible] यिष्यामस्त्य [illegible] प्राय॥ ६॥

१४३स

पुनस्तदिदं मे [illegible] यमेवपृथिवीकथं पुनः [illegible] श्रुत्याप्रसिद्धः स पृथिव्यां प्रयुज्यत इत्यपेक्षाते॥
परन्नाह [illegible] स्वसामान्या [illegible] मित्याह। तेचोक्तेन पृथिव्याः सामान्यमितो स्या द्वियस्मा
द्दिदं सर्वं [illegible] निष्पन्नं तच्छेय द्दिशंकं वयद्धि चेदमतोस्त्कर्कार थकारयोगः पृथिव्या [illegible]
च सामान्यं॥ [illegible] पृथिव्या [illegible] नरकीः यथा क्तसंबंधित्यपिमहाव्रते अग्निरर्काः किंवान्नसत्वा
तयस्तिस्त्रस्त्रिनासातय [illegible] स्त्रियाग्नातयोन्नसंस्तुताः [illegible] णान्नमेवान्नीन [illegible] कथमित्याहान्नमहि
यस्मादिदं सर्वं प्राणिजातमन्नात्याप्नोत्यन्नवानिति [illegible] विस्तु [illegible] त्यश्नोतरश्नी। यान्नवृत्यान [illegible]
द्रस्यान्नवृव सतिसद्वान्नमित्यतिष्ठाहत्यहृस्ती [illegible] स्मात्तिथांतरित्नमेवोक्तमुक्तेकारणमाद्द
त रिक्षं वैअनुपतंत्यंतरिक्षमेव [illegible] थां तरिक्षमनुधावयंति धावंति [illegible] प्रपर्व
मित्यक्तन्नाहूकेला [illegible] कारणमंतरिक्षस्य॥ तस्यावायुरकेन्निमन्नात यान्नेनहीदंसर्वं [illegible] निष्टवविस्
वअसावेव [illegible] द्विवः [illegible] दृष्ट्वा दिलक्षण [illegible] स्मादिदं स्था [illegible] मेवसवं

Indira Gandhi National Centre for the Arts

५॥

मुक्ति [illegible] स्यास्या [illegible] भाव्या [illegible] मुक्त्या [illegible] दित्यंको [illegible] नमो [illegible] सर्वे [illegible]
[illegible] वदेवता [illegible] यदन्नि [illegible] अथानंतरमध्यात्म [illegible] पुरुष [illegible]
पुनर [illegible] प्रसिद्ध [illegible] नकर्णस्य [illegible] प्रजापति
[illegible] विष्णुत्यो [illegible] त्यादिना यस्मान्महान् [illegible] पुरुषो
[illegible] प्रजापति [illegible] वास्य [illegible] स्यादात्मानमेव [illegible] मुक्ता
[illegible] नादक [illegible] स्मादु [illegible] स्यादात्मानमेव [illegible] ब्रह्मात्म [illegible] प्रतिप [illegible] स्मीति [illegible]
स्मीति पुरुष [illegible] तमंया [illegible] ब्रह्मात्म [illegible] अहं ब्रह्मास्मीति [illegible] दिति [illegible] पृथिव्या
[illegible] मेव [illegible] पृथिवीति [illegible] प्राणे
[illegible] युक्ते [illegible] प्राण [illegible] त्या [illegible] त्यादि
[illegible] पुरुष [illegible] त्वा [illegible] र्थ [illegible]
मुक्ता [illegible] मुक्त [illegible]

[illegible]

पुरुषोत्तमस्य विशेषतो मुखमेवोक्तं यथा पृथिवी [illegible] लोकात्मनः प्रजापतेस्तथाध्यात्मिकस्यापि मु
[illegible] मुक्तं यथा तत्स्यात्र निरुक्ति मुखेनोक्तं तत्संबंधा [illegible] हिरण्य [illegible] यस्य देवता [illegible]
[illegible] मुक्तं यथा [illegible] ममे तद्य [illegible] तेनु [illegible] धस्माद्धि
तावस [illegible] लोका [illegible] स्यविषयं यत्र [illegible] आत्ममेत [illegible] मस्य [illegible]
[illegible] मतनिव लिम्न [illegible] याः [illegible] र्यको [illegible] दक्षिण [illegible] मा [illegible]
[illegible] सिद्ध [illegible]
[illegible] देव [illegible] लोका [illegible]
[illegible] प्राण [illegible] संनिधि [illegible]
[illegible] दाना [illegible] सर्वतो [illegible]
[illegible] सिद्धा [illegible] विद्य [illegible] वा [illegible]
नान्यद्वस्तु [illegible] स्यवाल [illegible] योक्तं वा [illegible] सदा [illegible] मेवाद्य वा [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

६॥

रर वरलोऽआत्मनेऽस्य देवतान्तरतिसवितेणकारसंस्कारः। रुक्मिपातः४

तरत्वन्नमन्नान्नं त्वान्नमन्नीति [illegible] नादत्वेनाथमित्यच्यते। इयमेवमावत्पृथिवी अत्र संकेतः। इतोऽस्याः पृथिव्या इदं सर्वं स्थावरं जंगमं च [illegible] क्रियाकर्तृसाधनलक्षणमुत्तिष्ठत्यतः तथा पृथिव्याम् [illegible] इदं किंच यत्किंचिद् अधिकरणकर्तृसाधनरूपं यद्यपि किंच [illegible] दित्यच्यते यद् [illegible] अध्वर्युतं
वेदीरूपं चमालकारः [illegible] तस्यायादन्नायलो [illegible] स्मिन्नस्य [illegible] विदितो [illegible] प्रति
गच्छतीत्यर्थः [illegible] वीमसो घोरन्निज [illegible] यस्यात्मसाकरातितनयं पृथिव्यायाः [illegible] यदुकिवानो [illegible]
लोकात्प्रत्यागच्छतीत्युच्यते [illegible] दित्तेण लोकाश्रय यजमाना [illegible] पृथिवी अतितो [illegible] पृथिव्यं
श्रीतथांः [illegible] लोकाणुपकार्याणि कारकवदन्नादनाय श्रुतथापातितः सर्वे [illegible] कारदन्ना
नदिरं अगादन्नमन्नादं चेति प्रस्तुतमुपसंहरति स यः पृथिवीति एवमाद्यात्री आद्या [illegible] प्राऽसा
व [illegible] ग्राघीतद्यान्यदपि सर्वं पृथिवीग्रहणं [illegible] वोपलक्षणार्थं एवमदन्नत्वाद् [illegible] प्रजा
पतिरुक्तमस्मीति यो वदति स एवं विदुषः फलमुच्यते [illegible] सर्वस्यान्नजातस्य [illegible] कोहि ६॥

प्रजापतिः प्रजापतिरिव जगतोऽस्यर्थः॥ ननु किं तस्य विद्याफलं [illegible] कारणा
पत्तिः [illegible] दिनदेवता [illegible] मित्युच्यते [illegible]
वस्य [illegible] सर्वस्य वक्तृ वाच्यासीति विद्वान्
[illegible] सर्वस्यात्रास्वात्म [illegible] वाद्यस्य यस्य
[illegible] विज्ञो [illegible] पुरस्कृतिः॥ ७॥ अथातो [illegible] तस्मात् [illegible] स्वरूपं
विज्ञानस्य [illegible] सर्वस्यान्नाय [illegible] ब्राह्मण
प्रजापतिः [illegible] वपुरूप [illegible] प्रजापतेश्च [illegible]
गतस्त [illegible] ब्रह्म [illegible] तस्य [illegible]
[illegible] कर्म [illegible] एतस्तः संस्कृतास्तस्य वाक्
[illegible] पृथिवी वाग्निष्टोत्यादि [illegible] विद्वान् [illegible] स्थिता [illegible] कार्य
मौ [illegible] अग्निः [illegible] सिद्धमना [illegible] कार्यं [illegible]
नाविविक्त [illegible] प्रजापतिः [illegible] नेनवक्रमेण

Indira Gandhi National Centre for the Arts

५॥

7

[illegible] आपतिः केन साधनेनैवम ॥ अयोक्ता
विद्वव [illegible] शतिद्यो [illegible] सर्वविज्ञाता [illegible] तत्स्या बुद्धे [illegible]
[illegible] प्रजाणि [illegible] कर्मसंदेह [illegible] स्मृत [illegible] कर्म
[illegible] मारे [illegible] वेदा [illegible]
[illegible] दिक्रमाय [illegible] प्रतिष्ठ [illegible]
[illegible] कर्मणि [illegible] सिद्धि [illegible]
[illegible] तानयन्न तत्र [illegible] विमान ब्रह्मणः [illegible] स्य [illegible]
मापायित्स समर्थ [illegible] लोकाय [illegible] लोकः [illegible]
मलक्षणस्य लोकालोक [illegible] स्थित [illegible] रामयो [illegible]
[illegible] तार तो रत सारितः [illegible]
[illegible] सोमात्मक [illegible] नगोदशानानत्मा [illegible]
[illegible] ज्ञत सोऽहं जनत दु सोम [illegible] तावद्धा इदम [illegible]
कपात्मको [illegible] तमयाः सोमात्म ॥ १॥
यक विज्ञान ॥ एवं सोमात्मका [illegible] हिरण्मयो [illegible] मया [illegible] एवं विद्वान् [illegible]

कोऽयं सुषुप्तिन स्वर्गलोके संव [illegible] तिस निर्वर्त्तत इत्यर्थः ॥ किं च हिरण्मय [illegible] स सर्वस्या [illegible] तस्या वद दर्शो द्व
[illegible] सोमव [illegible] पा [illegible] त्यर्थः कोऽसावेवं यथा क्रमश्चात्मसतत्त्व सोमात्मकतां यावदापा
[illegible] मयन्न सोम [illegible] मृता [illegible] तिवेत [illegible] आस्य इत्यर्थः ॥ ३ ॥ अथ इदानीम [illegible] स्यान्तर
आत्मा साधारणाऽन्नात्तक ब्रह्म [illegible] प्राण इत्येवं शब्दवाच्यो [illegible] स्वरूपेनिद [illegible] विषया इदमाख्याति
के [illegible] ब्रह्मणा लोकाः [illegible] विज्ञान [illegible] प्रपद्य [illegible] प्रदेश [illegible] ता आत्मा
तान्वा [illegible] एतं प्रविष्टं पादाग्र [illegible] विष्ट इत्यर्थः किं पुनस्तद्ब्रह्म [illegible] प्राण
[illegible] जनता मरूपात्मकोनामरूपे सत्यं तान्यामयं प्राणः छन्नमिति विज्ञा [illegible] वाज
[illegible] ब्रह्मणो लोकः [illegible] नामरूपात्मक [illegible] प्रयत्न ब्रह्म संपुरुषं [illegible] प्रपदेपा
[illegible] संपुरुष [illegible] लोके [illegible] यस्मा [illegible] प्राप्य [illegible]
[illegible] इत्यावस्तलो किकाः [illegible] ततम नुष्य प
[illegible] मनुष्याणाम [illegible] तीनां तद्धर्म मुद [illegible] सर्व दुज्ञतव

Indira Gandhi National Centre for the Arts

[illegible] सात्यात्र [illegible] नांसं [illegible]

[illegible] श्रामन [illegible]

[illegible]

[illegible] स्यात् [illegible] नात्रिज्ञा [illegible] केरा [illegible]

[illegible] णम्याप्रत्येति [illegible] पते [illegible]

का [illegible] ब्रह्मणी [illegible] तेत्यर्थः [illegible] ब्रह्म [illegible]

[illegible]

पुर्क [illegible] प्रतिक्रि [illegible] निरूपा [illegible]

[illegible] स्याहिरोष्यतः [illegible]

[illegible]

ले. केतयाश्रयत्वाद [illegible] श्रियोः [illegible] प्रमाणत्व [illegible] प्राणात्प्रतितान्न [illegible]

रपि [illegible] श्रिया [illegible] प्राणानां [illegible] स्थिरत्वं यावदाप्नि [illegible] श्रियः

यतश्च [illegible] सामान्याद् [illegible] दिसाधन [illegible] वचन [illegible] श्रियं [illegible] तिच

[illegible] श्रियो [illegible] कल्पे [illegible] विदुषो [illegible] कल्पं [illegible]

न्याराश्रयाणां प्राणानां [illegible] निर्धारि [illegible] मिति [illegible] विषयं [illegible] सूयते [illegible]

[illegible] क्रिय [illegible]

[illegible] मुख्य [illegible] मुख्यमस्मात् [illegible] तिज्ञा [illegible]

[illegible] प्रसिद्ध [illegible] विचारणा [illegible] दृष्टिस [illegible]

[illegible] सामान्यादत्र [illegible] विचा [illegible] मिति [illegible] प्राणसंवादो [illegible]

[illegible] मुख्य [illegible] प्राण [illegible] प्रमाणमंतरेणानात्म [illegible]

उगानोश्र न्य

Indira Gandhi National Centre for the Arts

८

[illegible] ष्यति [illegible] हेत्व चतुर्मासिकं कमस्मा [illegible] कामो कामा [illegible] दिदेहारि [illegible]
[illegible] उक्तं न [illegible] णेन [illegible] णि ष्यति न हि [illegible] विष्वा [illegible] वक्तुं [illegible]
मह [illegible] तस्मात् युक्ता तावदन मात्रे केवल म [illegible] नित्य [illegible] यदि हि [illegible]
[illegible] न विष्यत्य ततो न विष्णु [illegible] देहा [illegible] तत्र [illegible] समाल [illegible] कामश्च [illegible]
[illegible] तत्तद्वति यथा मुग्ध वक्र [illegible] यदि [illegible] काम
[illegible] तद देहा प्राणा [illegible] तो मह [illegible] स्वादु [illegible] उक्ता ते देहारी रमा [illegible]
केवल [illegible] मवत [illegible] तिविना [illegible] तं [illegible] सिं [illegible] रूपतामस्मा [illegible]
[illegible] स्मात्त [illegible] तत्व [illegible] प्रसिद्ध [illegible] कारणा [illegible]
[illegible] ग्रीयति [illegible] विदुषे [illegible] १०

[illegible] प्राणस्य [illegible] लक्षणो [illegible]
[illegible] मन [illegible] उच्यते [illegible] बलं सीयति [illegible]
[illegible] मुख [illegible] ग्रह [illegible] वहति [illegible] प्राणा [illegible]
[illegible] प्राण क्रम [illegible] शरीरा [illegible] पुनः प्रवेश नवागादी [illegible] शरीरा [illegible]
[illegible] प्रद [illegible] स्यात्प्रति [illegible] मपि शरीर [illegible] मशरा [illegible]
[illegible] मनः प्राणाः [illegible] विशाह [illegible] प्राणे प्रपन्ने प्रविष्ट
[illegible] तिरमरा [illegible] शरीरा [illegible] त्क्रमन [illegible] क्रमु [illegible] मितिवेद्
[illegible] शरीर [illegible] शरीरा [illegible] कारणा [illegible] तदेतदुक्तं प्राणे
[illegible] किंतु [illegible] विधा [illegible] सर्व [illegible] एव विधिं
[illegible] पाणा [illegible] मुक्तमस्मी [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

१०

उद्गी[illegible]

नूघतेनिर्धारितब्रह्मसंबंधार्थं प्राणेन पराजितैर्वागादिभिः प्राणस्य यत् इति छन्नाविद्याविषयस्य प्राणस्य स
वतिमिदं दृश्यते पूर्वं वस्तुनस्त्व[illegible]त्वे तथा च वक्ष्यति प्राणो वा अहमस्मि इत्यादि प्राणेकत्वाद्वाग्वस्वं स्व
स्यैकैव ख्याहृतिः प्राण एवेति तस्मान्न स्तुतिरिति विज्ञानं विषयबाधो [illegible] चानेवागादिभिः संप्रकृतं नि
र्धारितं यथात्मापराजितावागादयो देवा राजन्[illegible] त्र [illegible] करमिव प्रयच्छेताः कुर्वन्तु कुर्वन्तस्तु भुक्त
म [illegible] मिदं सर्वमस्ति किंच तव स्वामिन् [illegible] त्यावयं स्मान्[illegible] दिबल्यपहारिणो वयं ॥ चेपु
न रस्माकं [illegible] मिव स्वाम्यसि ॥ न वासि न दप्त तदुक्तं च [illegible] णामत्रेणामंत्रेणास्युक्तप्रकारि
तं वधाय याक्रमहात्मा [illegible] दिच्छमि [illegible] रमश्वरयुजा [illegible] पेन वयं [illegible] ताम्रलब्धवीर्याः संतः प्रतिब
वीमहि प्रतिबद्धा [illegible] स्पर्ध [illegible] निमित्तस्पर्द्धयन्तु [illegible] वागादीन्[illegible] नः सामर्थ्यं त्रितिन्[illegible]
कर्तुं [illegible] मस्माकं [illegible] नबस्मासीत्[illegible] बलस्माकं [illegible] धनं [illegible] नवस्वा [illegible] भ्यः [illegible] सि न वा मान[illegible] मोतिनाहा १०

[illegible] ॥ [illegible] मेव प्राणं देवा वागादयः प्रश्ननयं तत्प्राणानां तत्प्रणीतं [illegible] गामितवंतस्
[illegible] प्राणादेवैः [illegible] स्मन् प्रश्नमयात [illegible] तमहात्माग [illegible] वागादिदेवैः
[illegible] कृत्या [illegible] यन पातानि [illegible] स्मात्स्मात्प्राणः [illegible] व [illegible] ग
[illegible] नामं [illegible] स्वापार्थं [illegible] इति तस्मात् [illegible] मत्तव [illegible] कालो [illegible]
[illegible] णार्थं वागादीन् विक्षिप्य नृपाल [illegible] तियच [illegible] प्राणस्तन्निमित्तं [illegible]
[illegible] रणार्थं वागादीन् [illegible] मित्तिराधिरणात्
कालवि [illegible] ता स्वापार्थं वागादि सं [illegible] र्वन् प्राणिनां [illegible] प्रविश्रम [illegible]
[illegible] कथ्यते ॥ [illegible] स्वापवागादि [illegible] देवतान्माद [illegible] कथ्यते ॥ [illegible]
[illegible] रूपकालो [illegible] वत्प्राण [illegible] सप्राणः काल [illegible] देवतान्[illegible] जिमा [illegible] मन्याद
[illegible] स्यापि [illegible] सावादित्यश्च [illegible] दिन्ना [illegible] ध्यजिमा [illegible]
[illegible] निमाजि [illegible] संस्थानं स एव प्राह [illegible] वागादीनां स यो गो ध्या

Indira Gandhi National Centre for the Arts

१२

त्मम[illegible]आनस्य[illegible]स्यात्मनो[illegible]गार्थं संयोग एष वर्तते संवृत्तिरित्यर्थः॥ इमा एव वागाद्यग्निमानिन्यो देवतास्त्र
[illegible]किं तदाधिभूतादिरूपं यत्नद्वर्तते अग्न्यादि तदाधिदैवतं वागादिकमध्यात्मं समुद्दिश्य मानं[illegible]
तया[illegible]धिदैवतयाभ्युत्पत्तेरिति तदेतदुक्तं भवतीति इदम्माणेन[illegible]रूपिका[illegible]बधः॥ कोसावृषिः किं
सूपिका कामित्या[illegible]तिरेतदध्यात्माधिदैव संयोगलक्षणं वसु यदुक्तं दृश्यवैर तिद्धाव[illegible]
कालिपातास्तदेतत्[illegible]सप्ताकवानहिरण्यदन्ताश्चा निदस्यापत्यं दैदन्ध इति तस्यापदार्थस्य यस्य
कस्य विदितम्[illegible]महत्तनदधनश्चिप्यश्रेयुः स वर्तिम[illegible]तायम[illegible]सवसव विस्था
सदर्थ[illegible]यदपि सर्वे सर्वत्र[illegible]नीयमानस्याहमव[illegible]मा सर्वभेदेम लिहारका[illegible]र्था[illegible] नेत्र[illegible]
हेतुमाह[illegible]वैत्रहमध्यात्मसंयोगोनिविष्टं यात्रं वेद[illegible]मिय[illegible]तद्दिद्यथो[illegible]न्यापि
वयावदत[illegible]सुध्यानेवलिदवत्रसो एवं वि[illegible]याम[illegible]तायस[illegible]ता[illegible]रतिर[illegible]यांतिकिं ११
वयावदतस्थे[illegible]मध्याधिदैवलक्षणं समस्तसत्यमित्येक
[illegible]

[illegible]कोपीनविज्ञो[illegible]कंपुनरेकमे[illegible]
[illegible]पद्वाप्य[illegible]का[illegible]सूद्धारणार्थो[illegible]बध्योम
[illegible]माद्यप्ताद्विता[illegible]मुखाते[illegible]पितासावादित्यो[illegible]तीतियस्य
[illegible]मातिवा[illegible]मनादिसर्व[illegible]सर्वस्या[illegible]सर्वमनाय[illegible]
[illegible]पत्तस्त्रूयमेवत्राते[illegible]यासाकनाय
[illegible]विज्ञानस[illegible]तो[illegible]किं तदेवस्वत्वं[illegible]दृश्यते[illegible]
[illegible]सवादित्य[illegible]इस[illegible]दिव[illegible]यः वेरा[illegible]सिद्धिस्मारक
[illegible]कारि[illegible]सवादित्य[illegible]दिव[illegible]वेदमयदि[illegible]वैकदावित्सम
[illegible]नकावचस्का[illegible]त[illegible]यो[illegible]समं[illegible]दोषानेनंदिनस
[illegible]वदति सत्यमवितथमेव वदत्वत्रस्य विदुष[illegible]दिनमुक्तं[illegible]तस्य[illegible]तथैव प्राणस्य
[illegible]फलमनन्त॥५॥ सह सर्वेण[illegible]संयुक्तः प्राणः मत्येकस्मा[illegible]वाय्योत्पवतीत्युपसं[illegible]

7

विदुस्तं तरात्रिध्रियेयेदमास्यते तस्य प्राणस्य वाङ्करणं मनितिरिख्यतं तिर्यग्यावन्मनं तिलोकिस्वात्मसंबंधित्रिविधम:
त्रिर्वमानूसंग्रह्णाति तथावाक्तंति स्तसमुक्तानि हिनामान्यनिधानानि दामानी वद्यामानि सर्वजगदस्ति धयस्तृ
तंनामत्रिप्रकाराणमानं वद्धमिवदामनि खिवसामान्देतत्सामान्यमहत तदिदं जगादस्य प्राणस्य वाचानंत्या
नामत्रिदामस्कानायैः सर्वमशेषमिनं वद्धं सर्वं हियस्मादिदं नाममनीनाम्रिवद्धमिवतेन प्रकारूपमानत्वा
तस्मा घक्तमुक्तं नामत्रिदामत्रिः सर्वमितमिति प्रसिद्धं ये तत्सर्वं वाचाभिवदति सर्वलोकस्तेएवमेतत्त्रि
धानात्रिधयत्वलक्षणं नामरूपे प्राणस्यममात्मस्तृतेन मन्त्रोव्यातिरिच्यते इत्येवं यो वेद तमेन मेवं विद्
प्रतिवहंति प्रापयंतिवाक्तंतिसंवद्धानामात्रिधयस्तृताः प्राणिनो बलिंकरदा इव राजानं प्रतिग्रह्यायं प्राणो
वाघस्तृतास्यां नामरूपाभ्यां मत्स्यस्त्रियां छन्नोऽमृतस्तयोरुपष्टंभकएवं प्राणस्थानीयाद्भूहनाते रेश्चछंदो
त्रिःछन्नाप्राणइवतानिव्याप्नोतितस्मात्सैवाभिनूक्ता तावत्स्यातस्यां हिन्नास्यमानायां सर्वाणिछंदांस्य
पान्नानि सर्वतियथा प्राणेनात्मनानामरूपात्मकं जगद्याप्तमित्येतमर्थं दिदर्शयिषुराह तस्याम्निस्लोमा १२

तिस्याः स्यहृत्यात्मनः प्राणस्याग्निस्तोमादिपुरुषस्यरोमाण्यस्त्रिकसमाहारात्वमायत्र्यक्षरस्तोमावास्यंतराक्षत्
तिस्याः स्वहृत्त्वात्मनः प्राणस्याग्निस्तोमादिपुरुषस्य... संस्तुता त्रिष्टुप्तानोन्यंतरास्त्वादानिस्त्राव संस्तुताक्षिजगती स्त्रा
संस्तुताविष्टुप्कादन्याहरान्वा न्यंतरामांससंस्तुतानुष्टुप्तानोन्यंतरास्तावादानि स्नाव संस्तुताक्षिजगतीस्त्रा
संस्तुताविष्टुप्कादन्याहरा पंक्ति मज्जादन्याहरा स्नांत मज्जा संस्तुता प्राणो बृहती सर्वाभ्यंतरत्वा
मास्यंतराक्षि संस्तुताद्वादन्याहरा पंक्तिमज्जादन्याहरा स्नांत मज्जा संस्तुता प्राणो बृहती सर्वाभ्यंतरत्वा
हृदंताप्राणसंस्तुतासावनुष्टी सर्वछंदसांमध्ये जवामनातराणि षट्छंदांस्यायात्याम संस्तुतासान्विह
हृदंताप्राणसंस्तुता सावनुष्टी सर्वछंदसोमध्येज्वा ... प्राणसंस्तवस्य विवक्षितत्वात्प्राणाबृहत्यात्मनोछंदोसि
शरीरधात्वसंस्तुतत्वछंदोसिंदपस्त्वात्यक्तिा प्राणसंस्तवस्य विवक्षितत्वान्त्र प्राणा बृहत्यात्मनो छंदो त्रि
रितरधात्वहेतुश्च्छन्नाछादितायस्मात्छंदोसि छन्नमस्मात्छादनात्छंदांसीत्याचक्षते शिक्षाशास्त्रादी
निवृहत्यात्मप्राणस्तुतानामन्यानीतरधातुश्चातानिछंदांसिच्छादयंतिवर्माणिवयोद्भूतगोपानाहा दना छं
दसांच्छदस्त्वमेवं यो वेद तमेतं छादयंति रक्षंतीत्यर्थ हिवैछंदांसिकाः पूर्वानापापात्दुरि
ताभ्यः स्वधान्यस्त्रानायछन्नसस्थानस्यानियाव्यारसिच्यस्यांकस्यांविद्दिशियस्मिन्कस्मिंश्चिद्विव्रिलेष
ताभ्यः स्वधान्यस्थानाय छद्मसस्थानस्या नियाभ्यारसिच्यस्यां कस्यां विद्दिशि यस्मिन्कस्मिंश्चिद्विघ्नेष
प्रत्यासीनकामयेत इच्छतिपापं कमं कर्तुमितिवाक्यशेषस्तस्मात्कर्मणोन्तेनातिविद्याफलमेतद्युत

१३

[illegible]

यानेआग्निहोत्रादौसवैशेषंयागतोप्रत्यभ्यकमे [illegible] रजारिति

आश्वयज्ञमानःतत्पत्नीचोति नतुसक्री रहितस्यापाधानसिमे

२ कर्म वतीतिचेदुच्यते वर्णपत्नीकस्यपत्नीविनापारस्करसूत्रात्प

त्नीरहितस्यापित्वत्परस्परः वर्णपत्नीकस्यैनीविच्छत्ताआधा

नादिकरणेअधिकारोअस्त्येवोतोश्रीवित्रापि [illegible] रस्मात्

श्रौतेन्द्रउत्सम्यांद्रष्टव्यं आधिकृताविस्तरमैव्ला ओलरवितिल्लव्य

इत्याश्विन्नोत्यतन्नाध्याय श्रीसोम [illegible] पातीतोपना मकश्रीरा

म-चौदेवकुमारराम [illegible] विरचितःआनीयमोगेनवेस्तु [illegible]

पोत्रेण [illegible] मकलीमातन [illegible] चोरःसमाप्त्वाओ पौ० [illegible] संवत् [illegible]

पत्र ५